



November 30, 2025

Printed from

THE TIMES OF INDIA

NIPER celebrates 18th foundation day

TNN | Nov 29, 2025, 11:54 PM IST

Patna: Vice-chancellor of Central University of Tamil Nadu, M Krishnan, on Saturday underscored the imperative to advance pharmaceutical education and translational research for the all-round development of India.

Addressing the 18th Foundation Day celebrations of the National Institute of Pharmaceutical Education and Research (NIPER), Hajipur, Krishnan observed that it is the prime responsibility of the scientific community to serve society with utmost dedication, promote indigenous research capabilities, and pursue innovation-driven solutions to address critical societal needs.

Bangalore-based Jawaharlal Nehru Centre for Advanced Scientific Research (JNCASR) professor Tapas Kundu highlighted emerging research priorities in molecular biology and expressed appreciation for NIPER's steady advancement.

Indian Council of Medical Research (ICMR) scientist Taruna Mdan highlighted the importance of fostering collaborative, mission-oriented research. She appreciated the institute's consistent growth and its commitment to contributing meaningfully to national scientific priorities.

TOI

स्वदेशी शोध क्षमता को बनाना होगा सशक्त

जासं, हाजीपुर : नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (नाईपर), हाजीपुर के स्थापना दिवस पर शनिवार को बायोलाजिकल थैरेप्यूटिक्स पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों व शोधार्थियों ने भाग लिया। अध्यक्षता करते हुए नाईपर की निदेशक प्रो. के. रुक्मिणी ने संस्थान की उपलब्धियों व भविष्य की रणनीतिक योजनाओं पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ तमिलनाडु के कुलपति प्रो. एम. कृष्णन ने भारत में फार्मास्यूटिकल शिक्षा और ट्रांसलेशनल रिसर्च को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने स्वदेशी शोध क्षमता बढ़ाने और नवाचार-आधारित समाधानों के विकास का आह्वान किया। अतिथि वक्ता डा. तापस कुंडू (प्रोफेसर, जेएनसीएसआर, बेंगलुरु, पूर्व निदेशक, सीएसआईआर-सीडीआरआई, लखनऊ) ने मालिक्यूलर बायोलाजी और जीवविज्ञान में उभरती शोध प्राथमिकताओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने नाईपर हाजीपुर की प्रगति, शोध संस्कृति और उपलब्धियों की सराहना की। जी. प्रमुख-विकास अनुसंधान प्रभाग, आईसीएमआर, नई दिल्ली डा. तरुणा मदन ने मिशन-



दीप प्रज्वलित संगोष्ठी का शुभारंभ करते अतिथि • जागरण

20 शोधार्थियों को किया गया सम्मानित

कार्यक्रम में कुल 20 शोधार्थियों को विशेष उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। अंतरराष्ट्रीय यात्रा अनुदान प्राप्त करने वाले 7 शोधार्थियों को 5000 की नकद राशि दी गई। 3 शोधार्थियों को पेटेंट हासिल करने पर प्रेरणादायी पुस्तकें भेंट

की गई। 9 शोधार्थियों को श्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार के लिए पुस्तकें प्रदान की गईं। 11 शोधार्थी को स्टार्टअप गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रयास के लिए विशेष प्रशंसा प्रमाण पत्र मिला। सभी 20 शोधार्थियों को प्रशंसा प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

उन्मुख और सहयोगात्मक शोध की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने राष्ट्रीय वैज्ञानिक प्राथमिकताओं में नाईपर हाजीपुर के योगदान की सराहना की। स्वागत भाषण डा. अभिषेक साहू, सहायक प्रोफेसर एवं रजिस्ट्रार (कार्यभार), ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डा. पी. रामालिंगम, एसोसिएट प्रोफेसर एवं डीन, नाईपर हाजीपुर ने किया। संगोष्ठी के समापन के अवसर पर छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति भी दी।

तकनीकी सत्रों में विशेषज्ञों के व्याख्यान : तकनीकी सत्रों में डा. तापस कुंडू, डा. अनुराग सूद (एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर एवं साइट लीड, जोएटिस, मुंबई) और डा. तथागत मुखर्जी (जनरल मैनेजर, बिजनेस डेवलपमेंट, जेन्नोवा बायोफार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड, पुणे) ने व्याख्यान प्रस्तुत किए। इन सत्रों में बायोलाजिकल थैरेप्यूटिक्स, उद्योग दृष्टिकोण और बायोफार्मास्यूटिकल नवाचारों पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम • बायोलॉजिकल थेरेप्यूटिक्स विषय पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन रिसर्च को सशक्त बनाने की आवश्यकता

सिटी रिपोर्टर | हाजीपुर

स्थानीय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (नाईपर) हाजीपुर का धूमधाम से 18वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस दौरान बायोलॉजिकल थेरेप्यूटिक्स विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई, जिसके उपरांत डॉ. अभिषेक साहू, सहायक प्रोफेसर एवं एजिस्ट्रार ने स्वागत भाषण दिया। तत्पश्चात अतिथियों को बुके व प्रतिक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। नाइपर हाजीपुर की निदेशक प्रो. के. रुक्मणी ने अध्यक्षीय संबोधन प्रस्तुत करते हुए संस्थान की वर्तमान उपलब्धियों और भावी रणनीतिक योजनाओं पर प्रकाश डाला।

जेएनसीएसआर बेंगलुरु के पूर्व निदेशक सह सीएसआईआर-सीडीआरआई, लखनऊ के प्रो. डॉ. तापस कुंडू ने मौलिकूलर बायोलॉजी जीवविज्ञान में उभरती शोध प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला तथा संस्थान की सतत प्रगति की सराहना की। उन्होंने हाल के वर्षों में प्राप्त उपलब्धियों पर संतोष व्यक्त करते हुए नाईपर हाजीपुर की मजबूत हुई है। मुख्य अतिथि सह सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ तमिलनाडु के कुलपति प्रो. एम. कृष्णन ने भारत में फार्मास्यूटिकल शिक्षा और ट्रांसलेशनल रिसर्च को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने वैज्ञानिक समुदाय से स्वदेशी शोध क्षमता को बढ़ावा देने और समाधान विकसित करने की जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया।



संबोधित करते नाइपर हाजीपुर की निदेशक प्रो. के. रुक्मणी

20 शोधार्थी हुए सम्मानित

नाइपर स्थापना दिवस पर संस्थान के कुल 20 शोधार्थियों को उनकी विशिष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। अंतरराष्ट्रीय यात्रा अनुदान प्राप्त करने वाले सात शोधार्थियों को ₹5,000 की नकद राशि दी गई। पेटेंट प्राप्त करने वाले तीन शोधार्थियों तथा श्रेष्ठ पोस्ट पुरस्कार जीतने वाले 9 शोधार्थियों को प्रेरणादायी पुस्तकें भेंट की गईं। इसके अतिरिक्त एक शोधार्थी को स्टार्टअप गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रयास के लिए विशेष प्रशंसा प्रमाण पत्र दिया गया। सभी 20 शोधार्थियों को प्रशंसा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति से समारोह को बनाया यादगार

संस्थान का स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक गीत व नृत्य की प्रस्तुति कर समारोह को यादगार बना दिया। संस्थान फार्मास्यूटिकल शोध, नवाचार और शैक्षणिक नेतृत्व के क्षेत्र में उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने के लिए नाईपर हाजीपुर की प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित किया। संगोष्ठी के तकनीकी सत्रों में डॉ. तापस कुंडू, एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर एवं साइट लीड जोएटिस मुंबई के डॉ. अनुराग सूद, जनरल मैनेजर बिजनेस डेवलपमेंट जेनोवा बायोफार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड पुणे के डॉ. तथागत मुखर्जी ने बायोलॉजिकल थेरेप्यूटिक्स, उद्योग दृष्टिकोण और बायोफार्मास्यूटिकल नवाचारों पर अपने व्याख्यान दिये।